करारविंदे न पदारविंदं मुखारविंदे विनिवेशयन्तं,
वटस्य पत्रस्य पुटे शयानं बालमुकुंदं मनसा स्मरामि

बालकृष्ण तिथी नक्षत्र दर्शन २०२०

सियाटल के अक्षांश रेखांश पर आधारित

कर्ता: पंडित महेश शास्त्री

टेलीफोन: (425) 445-9117

www.seattlepandit.com
www.mypanchang.com
shastriji@mypanchang.com

प्रकाशक
जुगल ठाकोर

कैलेंडर स्पष्टीकरण

ॐ श्री गणेशाय नमः

वशिष्ठ॥ यस्मिन् पक्षे यत्र काले येन दृग्गणितैक्यम्। दृश्यते तेन पक्षेण कुर्यात्तिथ्यादिनिर्णयम्॥

महाऋषि वशिष्ठ का उपरोक्त कथन का मतलब यही है के मनुष्य को पंचांग और त्योहार की गणना जहां रहता है उसके की आधार पर करना चाहिए। हिन्दू काल गणना के अनुसार मास में ३० तिथियाँ होतीं हैं, जो दो पक्षों में बंटीं होती हैं। सूर्य एवं चंद्र के अंतर से तिथि का निर्माण होता है। पूर्णिमा को सूर्य-चंद्र एक-दूसरे के सामने (१८० अंश) एवं अमावस्या को एक साथ रहते हैं (० अंश)। इन दोनों ग्रहों के भोंगाश में अन्तर का बढना ही तिथि को जन्म देता है। राशि चक्र में ३६० अंश होते है। हमारी तिथियाँ शुक्ल पक्ष की १५ और कृष्ण पक्ष की १५ होती है। अत: ३० तिथियाँ एक माह में होती है। ३६० / ३० करने से प्रत्येक तिथि का चन्द्र से सूर्य का अंतर १२ अंश होता है। पृथ्वी की भ्रमणकक्षा दीर्घ वृत्ताकार है इसी लिए यह १२अंश के अंतर के लिए १९ से २७ घंटे लगते है। इसी लिए हमारी तिथियाँ २४ घंटे की नहीं होती मगर १९ से २७ घंटे के आसपास होती है। सामान्यत:सूर्योदय कालीन तिथि ही उस दिन की तिथि कहलाती है, मगर हर त्योहार का नियम अलग अलग है। जैसे की संकष्ठी चतुर्थी यह तभी होती है जब चतुर्थी चंद्रोदय के समय पे होती हो। अगर सुबह में तृतीया है और फिर रात को चंद्रोदय के २ मिनट पहेले ही चतुर्थी बैठ जाती है तो उस दिन संकष्ठी चतुर्थी होती है। महाशिवरात्रि का नियम यह है की चतुर्दशी रात्रि के ८ वें मुहूर्त (मध्यरात्रि) में चतुर्दशी व्याप्त हो। अगर पूरा दिन त्रयोदशी है और मध्यरात्रि के १ मुहूर्त पहेले ही अगर चतुर्दशी आ जाती है तो वही दिन महाशिवरात्रि होगी, यही नियम जन्माष्टमी में है क्यूँ की कृष्ण का जन्म मध्यरात्रि को हुया था, तब चंद्रोदय हो रहा था। अगर कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि मध्यरात्रि के मुहूर्त में चंद्रोदय कालीन तिथि है तो वही तिथि कृष्ण जन्माष्टमी के लिए ली जाएगी। इसी प्रकार हर त्योहार के अलग अलग नियम है। यह तिथि सूर्य और चन्द्र का अंतर होते से उनका समाप्ती काल पूरी दुनिया में एक ही समय होता है। अपने अपने देश में उसे अपने देश से भारत के स्टैंडर्ड टाइम का अंतर घटाने या जोड़ने से अपने देश के स्टैंडर्ड टाइम में तिथि का समाप्ती काल मिलता है, अगर आप का देश भारत से पश्चिम में है तो आप अंतर को घटाएँ अगर पूर्व में है तो जोड़िए, फिर आप के शहर के सूर्योदय, सूर्यास्त, चंद्रोदय, और चंद्रास्त के आधार पर आप अपने शहर के त्योहार का अँग्रेजी तारीख जान सकते हो। अगर आप का देश भारत देश के पश्चिम में है तो शायद यह त्योहार की तारीख भारत के तारीख से एक दिन आगे या उसी दिन पे हो सकती है, अगर आप का देश भारत देश के पूर्व में हो तो यह त्योहार की तारीख भारत देश की तारीख के बाद में या उसी दिन आएगी। यह इसी प्रकार से होता है जब भारत में क्रिकेट का मैच सुबह में 8 बजे होता है तो हम इसे अमेरिका में एक दिन पहेले रात को देखते है, अगर मैच भारत में रात को 6 बजे शुरू होता है तो ऑस्ट्रेलिया में एक दिन बाद में मध्यरात्रि के बाद दिखता है। पूर्ण ग्रह सात होने के कारण सप्तवारों की रचना की गई है। यह सूर्योदय से दूसरे दिन के सूर्योदय पूर्व तक रहता है। मगर खगोल सिद्ध प्रत्यक्ष पंचांग का गणित कभी भी भारत के समय के अनुसार नहीं होता, वो हमेंशा समन्वित वैश्विक समय (UTC) पर किया जाता है, फिर वहाँ से अपने देश का समय संस्कार (GMT TO COUNTRY TIME DIFFERENCE) किया जाता है फिर अपने स्थल का सूर्योदय, सूर्यास्त, चंद्रोदय और चंद्रास्त समय के आधार पर त्योहार का निर्णय शास्त्र के आधार पर किया जाता है। यह कलेंडर में तिथि, नक्षत्र का समय समाप्ती काल का समय है, सूर्य और चन्द्र का समय राशि प्रवेश का है। भारतीय स्टैंडर्ड टाइम और मुंबई के अक्षांश, रेखांश पर आधारीत है। अगर तिथि और नक्षत्र दूसरे दिन मध्यरात्रि के बाद दूसरे सूर्योदय के पहेले समाप्त होते है तो वहाँ पे 'कल' लिखा है, अगर दूसरे दिन सूर्योदय के बाद समाप्त होते है वहाँ 'अहोरात्र' लिखा है। तिथी, नक्षत्र, सूर्य एवं चंद्र का गणित खगोल सिद्ध भूकेंद्रीय गणित के आधार पर है, और ग्रहों के उदयास्त खगोल सिद्ध भूपृष्टिय गणित के आधार पर है।

उत्तरायन/ दक्षिणायन: मौसम सूर्य के चारों ओर पृथ्वी की स्थिति के आधार पर होता है। यह पृथ्वी की झुकाव 23.45 डिग्री के कारण है। पृथ्वी इस झुकाव के साथ सूर्य का भ्रमण करती है। जब इस झुकाव सूर्य का सामना कर रहा है, तो हम गर्मी प्राप्त करते हैं और जब इस झुकाव सूर्य से दूर होता है तो हमें ठंड मिलती है। यह झुकाव यह एक घटना बनाता है जैसे सूरज भूमध्य रेखा के उत्तर और दक्षिण की यात्रा करता है। उत्तरायन में सूर्य उत्तर में जानते के लिए दिखाई देता है, और दक्षिणायन में सूर्य दक्षिण की ओर गति करता दिखाई देता है। यही ऋतु, विषुव और संक्रांति का कारण बनता है। एक आम गलतफहमी है कि मकर संक्रांति उत्तरायन है। ऐसा इसलिए है क्योंकि एक समय में सायन और निरयन राशि चक्र समान थे। वसंत संपात बिंदु वार्षिक 50 विकला की बहुत छोटी गति से सतत पश्चिम की ओर वापस जा रहा हैं और यही कारण से मकर संक्रांति भी आगे बढ़ रही है । यदि आपको लगता है कि मकर संक्रांति उत्तरायन है तो में 9000 वर्षों के बाद जून में आ जाएगा। mypanchang.com, राष्ट्रीय पंचांग, जन्माभूमि पंपांग जैसे सभी पंचांग निर्माता उतरायन और दक्षिणायन को निर्धारित करने के लिए सूर्य क्रांति का उपयोग करते है। इसलिए 14 जनवरी उत्तरायन नहीं है। वास्तविक उत्तरायन हर साल 21 दिसंबर / 22 दिसंबर को होता है। ऋतु (मौसम) का निर्धार यही सिद्धान्त से होता है।

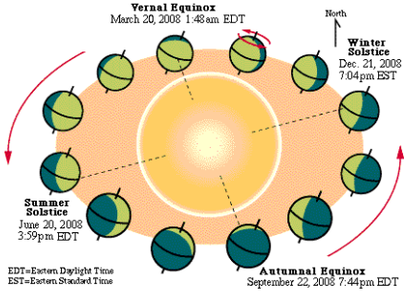

About myPanchang.com: myPanchang.com is the leading panchang maker providing the most accurate panchagam for over more than 394 cities all over the world based on highly accurate driga ganitha. Most temples in the world rely on myPanchang.com for accurate Panchang data and festival observance times. For more details please visit http://www.mypanchang.com. No part can be copied or reproduced in any form without prior permission of mypanchang.com.

2020 Calendar Acknowledgements

पंचांग गणित: mypanchang.com

पंडित महेश शास्त्री

श्री पंडित मगनलाल देवशंकर शास्त्री के पौत्र

पंचांग गणित, पंचांग सिद्धांती

mypanchang.com

Seattle, WA USA

सलाहकार: डॉ. रामचंद्र जोईसा, सिस्टला सोमयाजूलु

mypanchang.com

World's leading Panchanga Maker

बालकृष्ण तिथि नक्षत्र दर्शन

शक संवत्सर: विकारी, विक्रमी संवत्सर: परिधावी
उत्तरायन, शिशिर ऋतु

जानेवारी २०२०

कर्ता: पंडित महेश शास्त्री
टेलीफोन: (425) 445-9117 ● seattlepandit.com ● mypanchang.com

पुष्य – माघ

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
पंचांग तिथि गणित उदाहरण: 21 जानेवारी को सियाटल में द्वादशी दोपहर 12:15 PM को समाप्त होती है। भारत, सियाटल से समय में जानेवारी में 13 घंटा और 30 आगे है इसी लिए इस में 13 घंटा और 30 मिनट जोड़ने से 21 जानेवारी की रात और 22 जानेवारी की सुबह में 01:45 AM को भारत में द्वादशी समाप्त होती है, यह आप भारत के कालनिर्णय पंचांग अन्यथा किसी भी दृगगणित पंचांग में देख सकते है।			पौष शुक्ल पक्ष 1 सप्तमी कल 7:30 AM *पूर्वाभाद्रपद 2:53 PM* चन्द्र मीन 8:08 AM अँग्रेजी नववर्ष	अष्टमी अहोरात्र 2 *उत्तराभाद्रपद 5:50 PM* मास दुर्गाष्टमी	अष्टमी 9:56 AM 3 *रेवती 8:35 PM* चन्द्र मेष 8:35 PM	नवमी 12:02 PM 4 *अश्विनी 10:57 PM*
दशमी 1:37 PM 5 *भरणी कल 0:45 AM*	एकादशी 2:32 PM 6 *कृत्तिका कल 1:54 AM* चन्द्र वृषभ 7:06 AM पुत्रदा एकादशी वैकुंठ एकादशी	द्वादशी 2:44 PM 7 *रोहिणी कल 2:21 AM* प्रदोष एकादशी पारणा 7:57 – 10:48	त्रयोदशी 2:14 PM 8 *मृगशिर्षा कल 2:08 AM* चन्द्र मिथुन 2:19 PM	चतुर्दशी 1:04 PM 9 *आर्द्रा कल 1:19 AM* सत्यनारायण व्रत	पूर्णिमा 11:21 AM 10 ○ *पुनर्वसु कल 0:00 AM* चन्द्र कर्क 6:22 PM	पौष कृष्ण पक्ष 11 प्रतिपदा 9:11 AM द्वितीया कल 6:42 AM *पुष्य 10:20 PM* पूर्णिमान्त माघ कृष्ण पक्ष
तृतीया कल 4:02 AM 12 *आश्लेषा 8:25 PM* चन्द्र सिंह 8:25 PM	चतुर्थी कल 1:19 AM 13 *मघा 6:25 PM* संकष्टी चतुर्थी चंद्रोदय: 8:28:30 PM लोहड़ी, भोगी	पंचमी 10:40 PM 14 *पूर्वाफाल्गुनी 4:27 PM* सूर्य मकर 12:44 PM चन्द्र कन्या 9:58 PM मकर संक्रांति, पोंगल	षष्टी 8:11 PM 15 *उत्तराफाल्गुनी 2:37 PM*	सप्तमी 5:58 PM 16 *हस्त 1:01 PM*	अष्टमी 4:03 PM 17 *चित्रा 11:43 AM* चन्द्र तुला 0:19 AM गुरु पूर्वोदय गुरु अस्त समाप्त	नवमी 2:31 PM 18 *स्वाती 10:46 AM*
दशमी 1:21 PM 19 *विशाखा 10:11 AM* चन्द्र वृश्चिक 4:18 AM	एकादशी 12:36 PM 20 *अनुराधा 10:00 AM* षट-तिला एकादशी	द्वादशी 12:15 PM 21 *ज्येष्ठा 10:13 AM* चन्द्र धनु 10:13 AM, प्रदोष एकादशी पारणा 7:48 – 10:49	त्रयोदशी 12:19 PM 22 *मूल 10:50 AM* मास शिवरात्रि	चतुर्दशी 12:47 PM 23 *पूर्वाषाढा 11:51 AM* चन्द्र मकर 6:10 PM अमावस्या तर्पण शनि मकर राशि में	अमावस्या 1:42 PM 24 ● *उत्तराषाढा 1:16 PM* मौनी अमावस	माघ शुक्ल पक्ष 25 प्रतिपदा 3:01 PM *श्रवण 3:06 PM*
द्वितीया 4:45 PM 26 *धनिष्ठा 5:19 PM* चन्द्र कुम्भ 4:09 AM भारतीय प्रजासत्ताक दिन	तृतीया 6:52 PM 27 *शतभिषा 7:53 PM*	चतुर्थी 9:16 PM 28 *पूर्वाभाद्रपद 10:43 PM* चन्द्र मीन 4:00 PM मास वरद गणेश चतुर्थी	पंचमी 11:49 PM 29 *उत्तराभाद्रपद कल 1:42 AM* वसंत पंचमी	षष्टी कल 2:22 AM 30 *रेवती कल 4:40 AM* मास स्कन्दषष्ठी	सप्तमी कल 4:41 AM 31 *अश्विनी कल 7:23 AM* चन्द्र मेष 4:40 AM रथ सप्तमी	सूर्य और चन्द्र का अंशात्मक अंतर ही तिथि को जन्म देता है, दोनों के बीच में हर 12 अंश का अंतर ही तिथि है। 0 से 11.99 अंश प्रथमा तिथि। यह अंतर हर क्षण बढ़ता रहता है। यह खगोलीय गणित से गिनती होती है।

यह केलेंडर में तिथी, नक्षत्र का समय उनके समाप्त होने का समय है, और सूर्य और चन्द्र का समय उनके राशि प्रवेश का समय है, अगर तिथी और नक्षत्र मध्यरात्रि के बाद समाप्त होते है तो वहाँ पे 'कल' लिखा है, अगर वो एक सूर्योदय से दूसरे सूर्योदय तक है वहाँ 'अहोरात्र'' लिखा है

यह पंचांग 'MYPANCHANG.COM' ने सियाटल के अक्षांश, रेखांश के आधार पर बनाया है

बालकृष्ण तिथि नक्षत्र दर्शन

शक संवत्सर: विकारी, विक्रमी संवत्सर: परिधावी
उत्तरायन, शिशिर ऋतु - वसंत ऋतु

फरवरी २०२०

कर्ता: पंडित महेश शास्त्री
टेलीफोन: (425) 445-9117 ● seattlepandit.com ● mypanchang.com

माघ – फाल्गुन

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
सूर्य और चन्द्र का अंशात्मक अंतर ही तिथि को जन्म देता है, दोनों के बीच में हर 12 अंश का अंतर ही तिथि है। 0 से 11.99 अंश प्रथमा तिथि। यह अंतर हर क्षण बढ़ता रहता है।	**महा शिवरात्रि** **फरवरी 21** **पूजा समय 23:54 - 00:48** **पारणा 22 सुबह 7:04 पश्चात**	भारत में 3 प्रमुख कलेंडर है, 1) अमावस्यान्त -- यहाँ महीने अमावस्या पे समाप्त होते है, यह दक्षिण भारत, गुजरात, और महाराष्ट्र में प्रचलित है, 2) पूर्णिमान्त – यहाँ महीने पूर्णिमा पे समाप्त होते है। अमावस्यान्त और पूर्णिमान्त दोनों में शुक्ल पक्ष एक होता है, मगर कृष्ण पक्ष अलग। जैसे अमावस्यान्त का वैशाख कृष्ण पक्ष पूर्णिमान्त प्रथा मैं ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष होगा, और दोनों के ज्येस्ष्ट शुक्ल पक्ष एक ही होगे। 3) सौर मान -- यह ओड़ीसा, आसाम, बंगाल, तामिलनाडु और केरल में प्रचलित है, यहाँ पे महीने सूर्य के राशि के हिसाब से होते है.			माघ शुक्ल पक्ष **1** अष्टमी कल 6:34 AM *भरणी अहोरात्र* मास दुर्गाष्टमी **भीष्माष्टमी**
नवमी अहोरात्र **2** *भरणी 9:41 AM* चन्द्र वृषभ 4:10 PM	नवमी 7:49 AM **3** *कृत्तिका 11:22 AM*	दशमी 8:20 AM **4** *रोहिणी 12:19 PM* स्मार्त एकादशी	एकादशी 8:01 AM **5** द्वादशी कल 6:54 AM *मृगशिर्षा 12:29 PM* चन्द्र मिथुन 0:30 AM **वैष्णव भीष्म एकादशी**	त्रयोदशी कल 5:02 AM **6** *आर्द्रा 11:51 AM* प्रदोष वैष्णव एकादशी पारणा 7:30 – 10:45	चतुर्दशी कल 2:32 AM **7** *पुनर्वसु 10:31 AM* चन्द्र कर्क 4:54 AM	पूर्णिमा 11:33 PM **8**○ *पुष्य 8:35 AM* *आश्लेषा कल 6:13 AM* **भैरवी जयंती** सत्यनारायण व्रत
माघ कृष्ण पक्ष **9** प्रतिपदा 8:15 PM *मघा कल 3:36 AM* चन्द्र सिंह 6:13 AM पूर्णिमान्त फाल्गुन कृष्ण पक्ष	द्वितीया 4:48 PM **10** *पूर्वाफाल्गुनी कल 0:53 AM*	तृतीया 1:23 PM **11** *उत्तराफाल्गुनी 10:16 PM* चन्द्र कन्या 6:13 AM संकष्टी चतुर्थी चंद्रोदय: 8:47:14 PM	चतुर्थी 10:09 AM **12** पंचमी कल 7:16 AM *हस्त 7:55 PM*	षष्टी कल 4:51 AM **13** *चित्रा 5:58 PM* सूर्य कुम्भ 1:39 AM चन्द्र तुला 6:53 AM	सप्तमी कल 2:59 AM **14** *स्वाती 4:31 PM*	अष्टमी कल 1:44 AM **15** *विशाखा 3:39 PM* चन्द्र वृश्चिक 9:49 AM
नवमी कल 1:05 AM **16** *अनुराधा 3:24 PM*	दशमी कल 1:03 AM **17** *ज्येष्ठा 3:44 PM* चन्द्र धनु 3:44 PM	एकादशी कल 1:32 AM **18** *मूल 4:36 PM* विजया एकादशी, वसंत ऋतु	द्वादशी कल 2:30 AM **19** *पूर्वाषाढा 5:58 PM* वैष्णव विजया एकादशी पक्षवर्धिनी	त्रयोदशी कल 3:51 AM **20** *उत्तराषाढा 7:43 PM* चन्द्र मकर 0:22 AM वैष्णव एकादशी पारणा 7:07 – 10:37 प्रदोष	चतुर्दशी कल 5:33 AM **21** *श्रवण 9:49 PM* **महा शिवरात्रि** **पूजा समय 23:54-00:48** पारणा कल सुबह 7:04 पश्चात	अमावस्या अहोरात्र **22** *धनिष्ठा कल 0:13 AM* चन्द्र कुम्भ 10:59 AM शनिश्चरी अमावस्या तर्पण
अमावस्या 7:32 AM **23**● *शतभिषा कल 2:51 AM*	फाल्गुन शुक्ल पक्ष **24** प्रतिपदा 9:45 AM *पूर्वाभाद्रपद कल 5:40 AM* चन्द्र मीन 10:57 PM	द्वितीया 12:10 PM **25** *उत्तराभाद्रपद अहोरात्र*	तृतीया 2:42 PM **26** *उत्तराभाद्रपद 8:38 AM*	चतुर्थी 5:14 PM **27** *रेवती 11:38 AM* चन्द्र मेष 11:38 AM मास विनायक चतुर्थी	पंचमी 7:39 PM **28** *अश्विनी 2:33 PM*	षष्टी 9:46 PM **29** *भरणी 5:12 PM* चन्द्र वृषभ 11:48 PM मास स्कन्दषष्ठी

यह केलेंडर में तिथी, नक्षत्र का समय उनके समाप्त होने का समय है, और सूर्य और चन्द्र का समय उनके राशि प्रवेश का समय है, अगर तिथी और नक्षत्र मध्यरात्रि के बाद समाप्त होते है तो वहाँ पे 'कल' लिखा है, अगर वो एक सूर्योदय से दूसरे सूर्योदय तक है वहाँ 'अहोरात्र'' लिखा है

यह पंचांग 'MYPANCHANG.COM' ने सियाटल के अक्षांश, रेखांश के आधार पर बनाया है

बालकृष्ण तिथि नक्षत्र दर्शन

शक संवत्सर: विकारी - शार्वरी, विक्रमी संवत्सर: परिधावी - प्रमादी
उत्तरायन, वसंत ऋतु

मार्च २०२०

कर्ता: पंडित महेश शास्त्री
टेलीफोन: (425) 445-9117 ● seattlepandit.com ● mypanchang.com

फाल्गुन – चैत्र

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
फाल्गुन शुक्ल पक्ष **1** सप्तमी 11:23 PM *कृत्तिका 7:25 PM*	अष्टमी कल 0:20 AM **2** *रोहिणी 9:02 PM* मास दुर्गाष्टमी	नवमी कल 0:30 AM **3** *मृगशिर्षा 9:53 PM* चन्द्र मिथुन 9:34 AM	दशमी 11:49 PM **4** *आर्द्रा 9:56 PM*	एकादशी 10:17 PM **5** *पुनर्वसु 9:08 PM* चन्द्र कर्क 3:25 PM आमलकी एकादशी	द्वादशी 7:59 PM **6** *पुष्य 7:35 PM* एकादशी पारणा 6:39 – 10:26 प्रदोष	त्रयोदशी 5:01 PM **7** *आश्लेषा 5:22 PM* चन्द्र सिंह 5:22 PM
चतुर्दशी 2:34 PM **8** *मघा 3:40 PM* सत्यनारायण व्रत होली	पूर्णिमा 10:47 AM **9** प्रतिपदा कल 6:53 AM *पूर्वाफाल्गुनी 12:39 PM* चन्द्र कन्या 5:52 PM रंगवाली होली, धुलिवन्दन	फाल्गुन कृष्ण पक्ष **10** द्वितीया कल 3:03 AM *उत्तराफाल्गुनी 9:31 AM* *हस्त कल 6:30 AM* पूर्णिमान्त चैत्र कृष्ण पक्ष लक्ष्मी जयंती (दक्षिण भारत)	तृतीया 11:29 PM **11** *चित्रा कल 3:46 AM* चन्द्र तुला 5:05 PM	चतुर्थी 8:20 PM **12** *स्वाती कल 1:29 AM* संकष्टी चतुर्थी चंद्रोदय: 11:24 PM	पंचमी 5:47 PM **13** *विशाखा 11:50 PM* सूर्य मीन 11:30 PM चन्द्र वृश्चिक 6:11 PM रंग पंचमी	षष्टी 3:55 PM **14** *अनुराधा 10:53 PM*
सप्तमी 2:49 PM **15** *ज्येष्ठा 10:42 PM* चन्द्र धनु 10:42 PM बसौडा, शीतला जयंती (उत्तर भारत)	अष्टमी 2:30 PM **16** *मूल 11:16 PM*	नवमी 2:54 PM **17** *पूर्वाषाढा कल 0:31 AM*	दशमी 3:56 PM **18** *उत्तराषाढा कल 2:20 AM* चन्द्र मकर 6:55 AM	एकादशी 5:29 PM **19** *श्रवण कल 4:35 AM* पापमोचिनी एकादशी	द्वादशी 7:26 PM **20** *धनिष्ठा अहोरात्र* चन्द्र कुम्भ 5:50 PM एकादशी पारणा 7:11 – 11:14	त्रयोदशी 9:38 PM **21** *धनिष्ठा 7:10 AM* प्रदोष, मास शिवरात्रि
चतुर्दशी कल 0:00 AM **22** *शतभिषा 9:57 AM*	अमावस्या कल 2:28 AM **23** *पूर्वाभाद्रपद 12:51 PM* चन्द्र मीन 6:07 AM सोमवती अमावस्या तर्पण	चैत्र शुक्ल पक्ष **24** प्रतिपदा कल 4:57 AM *उत्तराभाद्रपद 3:49 PM* हिंदू नववर्ष, युगादि गुड़ी पाड़वा, चेती चाँद वसंत नवरात्रि शुरू	द्वितीया अहोरात्र **25** *रेवती 6:46 PM* चन्द्र मेष 6:46 PM	द्वितीया 7:23 AM **26** *अश्विनी 9:39 PM* मत्स्य जयंती	तृतीया 9:42 AM **27** *भरणी कल 0:22 AM* गणगौर पूजा, गौरी तृतीया मास विनायक चतुर्थी	चतुर्थी 11:48 AM **28** *कृत्तिका कल 2:48 AM* चन्द्र वृषभ 7:00 AM
पंचमी 1:31 PM **29** *रोहिणी कल 4:48 AM* मास स्कन्दषष्ठी नाग पंचमी (पंजाब) गुरु मकर राशि	षष्टी 2:45 PM **30** *मृगशिर्षा कल 6:14 AM* चन्द्र मिथुन 5:36 PM	सप्तमी 3:20 PM **31** *आर्द्रा अहोरात्र* वासंती दुर्गा पूजा शुरू (बंगाल)		भारत में 3 प्रमुख कलेंडर है, 1) अमावस्यान्त -- यहाँ महीने अमावस्या पे समाप्त होते है, यह दक्षिण भारत, गुजरात, और महाराष्ट्र में प्रचलित है, 2) पूर्णिमान्त – यहाँ महीने पूर्णिमा पे समाप्त होते है। अमावस्यान्त और पूर्णिमान्त दोनों में शुक्ल पक्ष एक होता है, मगर कृष्ण पक्ष अलग। जैसे अमावस्यान्त का वैशाख कृष्ण पक्ष पूर्णिमान्त प्रथा मैं ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष होगा, और दोनों के ज्येस्ष्ट शुक्ल पक्ष एक ही होगे। 3) सौर मान -- यह ओड़ीसा, आसाम, बंगाल, तामिलनाडु और केरल में प्रचलित है, यहाँ पे महीने सूर्य के राशि के हिसाब से होते है.		

यह केलेंडर में तिथी, नक्षत्र का समय उनके समाप्त होने का समय है, और सूर्य और चन्द्र का समय उनके राशि प्रवेश का समय है, अगर तिथी और नक्षत्र मध्यरात्रि के बाद समाप्त होते है तो वहाँ पे 'कल' लिखा है, अगर वो एक सूर्योदय से दूसरे सूर्योदय तक है वहाँ 'अहोरात्र'' लिखा है

यह पंचांग 'MYPANCHANG.COM' ने सियाटल के अक्षांश, रेखांश के आधार पर बनाया है

बालकृष्ण तिथि नक्षत्र दर्शन

शक संवत्सर: शार्वरी, विक्रमी संवत्सर: प्रमादी
उत्तरायन, वसंत ऋतु – ग्रीष्म ऋतु

अप्रैल २०२०

कर्ता: पंडित महेश शास्त्री
टेलीफोन: (425) 445-9117 ● seattlepandit.com ● mypanchang.com

चैत्र – वैशाख

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
हिन्दू काल गणना के अनुसार मास में ३० तिथियाँ होतीं हैं, जो दो पक्षों में बंटीं होती हैं। सूर्य एवं चंद्र के अंतर से तिथि का निर्माण होता है। पूर्णिमा को सूर्य-चंद्र एक-दूसरे के सामने (१८० अंश) एवं अमावस्या को एक साथ रहते हैं (० अंश)। इन दोनों ग्रहों के भोगांश में अन्तर का बढना ही तिथि को जन्म देता है। राशि चक्र में ३६० अंश होते है। हमारी तिथियाँ शुक्ल पक्ष की १५ और कृष्ण पक्ष की १५ होती है। अत: ३० तिथियाँ एक माह में होती है। ३६० / ३० करने से प्रत्येक तिथि का चन्द्र से सूर्य का अंतर १२ अंश होता है। पृथ्वी की भ्रमणकक्षा दीर्घ वृत्ताकार है इसी लिए यह १२अंश के अंतर के लिए १९ से २७ घंटे लगते है। इसी लिए हमारी तिथियाँ २४ घंटे की नहीं होती मगर १९ से २७ घंटे के आसपास होती है।			चैत्र शुक्ल पक्ष **1** अष्टमी 3:10 PM *आर्द्रा 6:59 AM* मास दुर्गाष्टमी अशोक अष्टमी	नवमी 2:13 PM **2** *पुनर्वसु 6:58 AM* *पुष्य कल 6:11 AM* चन्द्र कर्क 1:03 AM श्री राम नवमी पारणा कल सुबह 6:43 पश्चात	दशमी 12:28 PM **3** *आश्लेषा कल 4:38 AM* वासंती दुर्गा पूजा समाप्त (बंगाल) धर्मराजा दशमी	एकादशी 10:00 AM **4** *मघा कल 2:27 AM* चन्द्र सिंह 4:38 AM कामदा एकादशी विष्णु लक्ष्मी दोलोत्सव
द्वादशी 6:55 AM **5** त्रयोदशी कल 3:22 AM *पूर्वाफाल्गुनी 11:46 PM* एकादशी पारणा 6:39 – 6:55 प्रदोष, महावीर जयंती अनंग त्रयोदशी	चतुर्दशी 11:31 PM **6** *उत्तराफाल्गुनी 8:45 PM* चन्द्र कन्या 5:02 AM	पूर्णिमा 7:35 PM **7** *हस्त 5:37 PM* सत्यनारायण व्रत हनुमान जयंती	चैत्र कृष्ण पक्ष **8** प्रतिपदा 3:43 PM *चित्रा 2:33 PM* पूर्णिमान्त वैशाख कृष्ण पक्ष चन्द्र तुला 4:03 AM	द्वितीया 12:09 PM **9** *स्वाती 11:45 AM*	तृतीया 9:02 AM **10** *विशाखा 9:25 AM* चन्द्र वृश्चिक 3:56 AM संकष्टी चतुर्थी चंद्रोदय: 11:37:17 PM	चतुर्थी 6:31 AM **11** पंचमी कल 4:46 AM *अनुराधा 7:41 AM*
षष्टी कल 3:49 AM **12** *ज्येष्ठा 6:43 AM* चन्द्र धनु 6:43 AM	सप्तमी कल 3:41 AM **13** *मूल 6:32 AM* सूर्य मेष 8:00 AM बैसाखी, तामिल नववर्ष ओडिया नववर्ष	अष्टमी कल 4:21 AM **14** *पूर्वाषाढा 7:11 AM* चन्द्र मकर 1:28 PM आसाम, बंगाल नववर्ष	नवमी कल 5:42 AM **15** *उत्तराषाढा 8:34 AM*	दशमी अहोरात्र **16** *श्रवण 10:36 AM* चन्द्र कुम्भ 11:48 PM	दशमी 7:34 AM **17** *धनिष्ठा 1:06 PM*	एकादशी 9:47 AM **18** *शतभिषा 3:55 PM* वरुथिनी एकादशी वल्लभाचार्य जयंती
द्वादशी 12:13 PM **19** *पूर्वाभाद्रपद 6:53 PM* चन्द्र मीन 12:08 PM प्रदोष ग्रीष्म ऋतु एकादशी पारणा 6:12 – 10:49	त्रयोदशी 2:42 PM **20** *उत्तराभाद्रपद 9:53 PM* मास शिवरात्रि	चतुर्दशी 5:08 PM **21** *रेवती कल 0:48 AM*	अमावस्या 7:25 PM **22** *अश्विनी कल 3:35 AM* चन्द्र मेष 0:48 AM अमावस्या तर्पण	वैशाख शुक्ल पक्ष **23** प्रतिपदा 9:31 PM *भरणी अहोरात्र*	द्वितीया 11:22 PM **24** *भरणी 6:09 AM* चन्द्र वृषभ 12:46 PM	तृतीया कल 0:53 AM **25** *कृत्तिका 8:28 AM* परशुराम जयंती अक्षय तृतीया
चतुर्थी कल 2:00 AM **26** *रोहिणी 10:26 AM* चन्द्र मिथुन 11:16 PM मास विनायक चतुर्थी	पंचमी कल 2:38 AM **27** *मृगशिर्षा 11:59 AM* शंकराचार्य जयंती	षष्टी कल 2:42 AM **28** *आर्द्रा 1:03 PM* मास स्कन्दषष्ठी रामानुजाचार्य जयंती चंदन षष्ठी	सप्तमी कल 2:09 AM **29** *पुनर्वसु 1:32 PM* चन्द्र कर्क 7:28 AM गंगा जयंती	अष्टमी कल 0:57 AM **30** *पुष्य 1:23 PM* मास दुर्गाष्टमी		

यह केलेंडर में तिथी, नक्षत्र का समय उनके समाप्त होने का समय है, और सूर्य और चन्द्र का समय उनके राशि प्रवेश का समय है, अगर तिथी और नक्षत्र मध्यरात्रि के बाद समाप्त होते है तो वहाँ पे 'कल' लिखा है, अगर वो एक सूर्योदय से दूसरे सूर्योदय तक है वहाँ 'अहोरात्र'' लिखा है
यह पंचांग 'MYPANCHANG.COM' ने सियाटल के अक्षांश, रेखांश के आधार पर बनाया है

बालकृष्ण तिथि नक्षत्र दर्शन

शक संवत्सर: शार्वरी, विक्रमी संवत्सर: प्रमादी
उत्तरायन, ग्रीष्म ऋतु

मई २०२०

कर्ता: पंडित महेश शास्त्री
टेलीफोन: (425) 445-9117 ● seattlepandit.com ● mypanchang.com

वैशाख – ज्येष्ठ

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
दशमी कल 2:27 AM *उत्तराफाल्गुनी 2:31 PM* **गंगा दशहरा** **31**	हिन्दू काल गणना के अनुसार मास में ३० तिथियाँ होतीं हैं, जो दो पक्षों में बंटीं होती हैं। सूर्य एवं चंद्र के अंतर से तिथि का निर्माण होता है। पूर्णिमा को सूर्य-चंद्र एक-दूसरे के सामने (१८० अंश) एवं अमावस्या को एक साथ रहते हैं (० अंश)। इन दोनों ग्रहों के भोंगाश में अन्तर का बढना ही तिथि को जन्म देता है। राशि चक्र में ३६० अंश होते है। हमारी तिथियाँ शुक्ल पक्ष की १५ और कृष्ण पक्ष की १५ होती है। अत: ३० तिथियाँ एक माह में होती है। ३६० / ३० करने से प्रत्येक तिथि का चन्द्र से सूर्य का अंतर १२ अंश होता है। पृथ्वी की भ्रमणकक्षा दीर्घ वृत्ताकार है इसी लिए यह १२अंश के अंतर के लिए १९ से २७ घंटे लगते है। इसी लिए हमारी तिथियाँ २४ घंटे की नहीं होती मगर १९ से २७ घंटे के आसपास होती है।				वैशाख शुक्ल पक्ष **1** नवमी 11:06 PM *आश्लेषा 12:35 PM* चन्द्र सिंह 12:35 PM **जानकी जयंती**	दशमी 8:39 PM **2** *मघा 11:10 AM* **वासवी जयंती**
एकादशी 5:43 PM **3** *पूर्वाफाल्गुनी 9:13 AM* चन्द्र कन्या 2:39 PM **मोहिनी एकादशी**	द्वादशी 2:24 PM **4** *उत्तराफाल्गुनी 6:49 AM* *हस्त कल 4:09 AM* एकादशी पारणा 5:47 – 10:39 प्रदोष	त्रयोदशी 10:51 AM **5** *चित्रा कल 1:21 AM* चन्द्र तुला 2:45 PM **नरसिंह जयंती**	चतुर्दशी 7:15 AM **6** पूर्णिमा कल 3:45 AM *स्वाती 10:37 PM* सत्यनारायण व्रत **कूर्म जयंती, बुद्ध जयंती** **फूलडोला**	वैशाख कृष्ण पक्ष **7** प्रतिपदा कल 0:32 AM *विशाखा 8:08 PM* पूर्णिमान्त ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष चन्द्र वृश्चिक 2:43 PM	द्वितीया 9:45 PM **8** *अनुराधा 6:03 PM*	तृतीया 7:34 PM **9** *ज्येष्ठा 4:32 PM* चन्द्र धनु 4:32 PM संकष्टी चतुर्थी चंद्रोदय: 11:40:32 PM
चतुर्थी 6:05 PM **10** *मूल 3:43 PM*	पंचमी 5:23 PM **11** *पूर्वाषाढा 3:40 PM* चन्द्र मकर 9:47 PM	षष्टी 5:29 PM **12** *उत्तराषाढा 4:24 PM*	सप्तमी 6:21 PM **13** *श्रवण 5:53 PM*	अष्टमी 7:52 PM **14** *धनिष्ठा 8:00 PM* सूर्य वृषभ 4:53 AM चन्द्र कुम्भ 6:52 AM **त्रिलोचन अष्टमी**	नवमी 9:53 PM **15** *शतभिषा 10:35 PM*	दशमी कल 0:12 AM **16** *पूर्वाभाद्रपद कल 1:29 AM* चन्द्र मीन 6:44 PM
एकादशी कल 2:39 AM **17** *उत्तराभाद्रपद कल 4:28 AM* **अपरा एकादशी**	द्वादशी कल 5:01 AM **18** *रेवती अहोरात्र* एकादशी पारणा 9:14 – 10:32	त्रयोदशी अहोरात्र **19** *रेवती 7:24 AM* चन्द्र मेष 7:24 AM प्रदोष	त्रयोदशी 7:13 AM **20** *अश्विनी 10:07 AM* मास शिवरात्रि **सावित्री चतुर्दशी**	चतुर्दशी 9:06 AM **21** *भरणी 12:34 PM* चन्द्र वृषभ 7:07 PM अमावस्या तर्पण	अमावस्या 10:38 AM **22** *कृत्तिका 2:39 PM* **शनि जयंती, भावुका** **अमावस्या, वट सावित्री व्रत,** **(उत्तर भारत),** **सावित्री अमावस्या**	ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष **23** प्रतिपदा 11:47 AM *रोहिणी 4:22 PM*
द्वितीया 12:31 PM **24** *मृगशिर्षा 5:40 PM* चन्द्र मिथुन 5:04 AM **रंभा तृतीया**	तृतीया 12:48 PM **25** *आर्द्रा 6:32 PM* मास विनायक चतुर्थी	चतुर्थी 12:39 PM **26** *पुनर्वसु 6:58 PM* चन्द्र कर्क 12:54 PM **उमा चतुर्थी**	पंचमी 12:02 PM **27** *पुष्य 6:57 PM* मास स्कन्दषष्टी	षष्टी 10:57 AM **28** *आश्लेषा 6:28 PM* चन्द्र सिंह 6:28 PM **अरण्य षष्ठी**	सप्तमी 9:25 AM **29** *मघा 5:33 PM* **शुक्र पश्चिम में अस्त**	अष्टमी 7:27 AM **30** नवमी कल 5:07 AM *पूर्वाफाल्गुनी 4:13 PM* चन्द्र कन्या 9:49 PM मास दुर्गाष्टमी

यह केलेंडर में तिथी, नक्षत्र का समय उनके समाप्त होने का समय है, और सूर्य और चन्द्र का समय उनके राशि प्रवेश का समय है, अगर तिथी और नक्षत्र मध्यरात्रि के बाद समाप्त होते है तो वहाँ पे 'कल' लिखा है, अगर वो एक सूर्योदय से दूसरे सूर्योदय तक है वहाँ 'अहोरात्र'' लिखा है
यह पंचांग 'MYPANCHANG.COM' ने सियाटल के अक्षांश, रेखांश के आधार पर बनाया है

बालकृष्ण तिथि नक्षत्र दर्शन

शक संवत्सर: शार्वरी, विक्रमी संवत्सर: प्रमादी
उत्तरायन - दक्षिणायन, ग्रीष्म ऋतु – वर्षा ऋतु

जून २०२०

कर्ता: पंडित महेश शास्त्री
टेलीफोन: (425) 445-9117 ● seattlepandit.com ● mypanchang.com

ज्येष्ठ – आषाढ़

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
	ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष 1 एकादशी 11:35 PM *हस्त 12:33 PM* चन्द्र तुला 11:30 PM **निर्जला एकादशी**	द्वादशी 8:35 PM 2 *चित्रा 10:25 AM* एकादशी पारणा 5:15 – 10:29 प्रदोष	त्रयोदशी 5:36 PM 3 *स्वाती 8:13 AM*	चतुर्दशी 2:46 PM 4 *विशाखा 6:07 AM* *अनुराधा कल 4:13 AM* चन्द्र वृश्चिक 0:37 AM सत्यनारायण व्रत **वट सावित्री व्रत** (गुजरात, महाराष्ट्र, दक्षिण भारत)	पूर्णिमा 12:12 PM 5○ *ज्येष्ठा कल 2:42 AM*	ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष 6 प्रतिपदा 10:03 AM *मूल कल 1:41 AM* चन्द्र धनु 2:42 AM पूर्णिमान्त आषाढ़ कृष्ण पक्ष
द्वितीया 8:26 AM 7 *पूर्वाषाढा कल 1:15 AM*	तृतीया 7:26 AM 8 *उत्तराषाढा कल 1:30 AM* चन्द्र मकर 7:15 AM संकष्टी चतुर्थी चंद्रोदय: ८ मध्यरात्रि पश्चात 00:09:22 AM	चतुर्थी 7:09 AM 9 *श्रवण कल 2:28 AM*	पंचमी 7:34 AM 10 *धनिष्ठा कल 4:05 AM* चन्द्र कुम्भ 3:12 PM	षष्टी 8:41 AM 11 *शतभिषा अहोरात्र*	सप्तमी 10:22 AM 12 *शतभिषा 6:19 AM*	अष्टमी 12:29 PM 13 *पूर्वाभाद्रपद 8:58 AM* चन्द्र मीन 2:16 AM
नवमी 2:49 PM 14 *उत्तराभाद्रपद 11:52 AM* सूर्य मिथुन 11:31 AM	दशमी 5:10 PM 15 *रेवती 2:48 PM* चन्द्र मेष 2:48 PM **शुक्र का पूर्व में उदय**	एकादशी 7:20 PM 16 *अश्विनी 5:34 PM* योगिनी एकादशी	द्वादशी 9:09 PM 17 *भरणी 8:01 PM* एकादशी पारणा 5:11 – 10:29	त्रयोदशी 10:31 PM 18 *कृत्तिका 10:01 PM* चन्द्र वृषभ 2:33 AM प्रदोष, मास शिवरात्रि	चतुर्दशी 11:22 PM 19 *रोहिणी 11:32 PM*	अमावस्या 11:41 PM 20● *मृगशिर्षा कल 0:31 AM* चन्द्र मिथुन 12:06 PM शनिश्चरी अमावस्या तर्पण, वर्षा ऋतु दक्षिणायण (SUMMER SOLSTICE)
आषाढ़ शुक्ल पक्ष 21 प्रतिपदा 11:29 PM *आर्द्रा कल 1:01 AM*	द्वितीया 10:49 PM 22 *पुनर्वसु कल 1:03 AM* चन्द्र कर्क 7:05 PM **जगन्नाथ रथयात्रा**	तृतीया 9:44 PM 23 *पुष्य कल 0:40 AM*	चतुर्थी 8:18 PM 24 *आश्लेषा 11:57 PM* चन्द्र सिंह 11:57 PM मास विनायक चतुर्थी	पंचमी 6:33 PM 25 *मघा 10:56 PM*	षष्टी 4:34 PM 26 *पूर्वाफाल्गुनी 9:41 PM* मास स्कन्दषष्ठी **कुमार षष्ठी**	सप्तमी 2:23 PM 27 *उत्तराफाल्गुनी 8:16 PM* चन्द्र कन्या 3:21 AM **विवस्पत सप्तमी**
अष्टमी 12:05 PM 28 *हस्त 6:44 PM* मास दुर्गाष्टमी	नवमी 9:43 AM 29 *चित्रा 5:09 PM* चन्द्र तुला 5:57 AM **गुरु धनू राशि** **सुदर्शन जयंती**	दशमी 7:20 AM 30 एकादशी कल 4:59 AM *स्वाती 3:34 PM* स्मार्त एकादशी **देव शयनी एकादशी, पुनर्यात्रा**	**वैष्णव देव शयनी** **एकादशी जुलै १**			

यह केलेंडर में तिथी, नक्षत्र का समय उनके समाप्त होने का समय है, और सूर्य और चन्द्र का समय उनके राशि प्रवेश का समय है, अगर तिथी और नक्षत्र मध्यरात्रि के बाद समाप्त होते है तो वहाँ पे 'कल' लिखा है, अगर वो एक सूर्योदय से दूसरे सूर्योदय तक है वहाँ 'अहोरात्र'' लिखा है
यह पंचांग 'MYPANCHANG.COM' ने सियाटल के अक्षांश, रेखांश के आधार पर बनाया है

बालकृष्ण तिथि नक्षत्र दर्शन

शक संवत्सर: शार्वरी, विक्रमी संवत्सर: प्रमादी
दक्षिणायन, वर्षा ऋतु

जुलै २०२०

कर्ता: पंडित महेश शास्त्री
टेलीफोन: (425) 445-9117 ● seattlepandit.com ● mypanchang.com

आषाढ़- श्रावण

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
भारत में 3 प्रमुख कलेंडर है, 1) अमावस्यान्त -- यहाँ महीने अमावस्या पे समाप्त होते है, यह दक्षिण भारत, गुजरात, और महाराष्ट्र में प्रचलित है, 2) पूर्णिमान्त – यहाँ महीने पूर्णिमा पे समाप्त होते है। अमावस्यान्त और पूर्णिमान्त दोनों में शुक्ल पक्ष एक होता है, मगर कृष्ण पक्ष अलग। जैसे अमावस्यान्त का वैशाख कृष्ण पक्ष पूर्णिमान्त प्रथा मैं ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष होगा, और दोनों के ज्येस्ष्ट शुक्ल पक्ष एक ही होगे। 3) सौर मान -- यह ओड़ीसा, आसाम, बंगाल, तामिलनाडु और केरल में प्रचलित है, यहाँ पे महीने सूर्य के राशि के हिसाब से होते है.			आषाढ़ शुक्ल पक्ष **1** द्वादशी कल 2:47 AM *विशाखा 2:04 PM* चन्द्र वृश्चिक 8:26 AM वैष्णव एकादशी **देव शयनी एकादशी**	त्रयोदशी कल 0:47 AM **2** *अनुराधा 12:44 PM* एकादशी पारणा 5:17 – 10:34 प्रदोष	चतुर्दशी 11:04 PM **3** *ज्येष्ठा 11:38 AM* चन्द्र धनु 11:38 AM	पूर्णिमा 9:44 PM **4** *मूल 10:52 AM* सत्यनारायण व्रत **गुरुपूर्णिमा, कोकिला व्रत** **चंद्र ग्रहण** 9:11 PM – 10:52 PM
आषाढ़ कृष्ण पक्ष **5** प्रतिपदा 8:52 PM *पूर्वाषाढा 10:32 AM* चन्द्र मकर 4:31 PM पूर्णिमान्त श्रावण कृष्ण पक्ष	द्वितीया 8:33 PM **6** *उत्तराषाढा 10:42 AM* उत्तर भारत श्रावण सोमवार	तृतीया 8:49 PM **7** *श्रवण 11:26 AM* संकष्टी चतुर्थी चंद्रोदय: 11:14:11 PM	चतुर्थी 9:41 PM **8** *धनिष्ठा 12:45 PM* चन्द्र कुम्भ 0:01 AM	पंचमी 11:08 PM **9** *शतभिषा 2:39 PM* नाग पंचमी (बंगाल)	षष्टी कल 1:03 AM **10** *पूर्वाभाद्रपद 5:03 PM* चन्द्र मीन 10:25 AM	सप्तमी कल 3:18 AM **11** *उत्तराभाद्रपद 7:48 PM*
अष्टमी अहोरात्र **12** *रेवती 10:44 PM* चन्द्र मेष 10:44 PM	अष्टमी 5:39 AM **13** *अश्विनी कल 1:37 AM* उत्तर भारत श्रावण सोमवार	नवमी 7:54 AM **14** *भरणी कल 4:13 AM*	दशमी 9:50 AM **15** *कृत्तिका अहोरात्र* सूर्य कर्क 10:23 PM चन्द्र वृषभ 10:49 AM	एकादशी 11:15 AM **16** *कृत्तिका 6:23 AM* कामिका एकादशी	द्वादशी 12:03 PM **17** *रोहिणी 7:58 AM* चन्द्र मिथुन 8:31 PM प्रदोष एकादशी पारणा 5:30 – 10:39	त्रयोदशी 12:11 PM **18** *मृगशिर्षा 8:53 AM* मास शिवरात्रि
चतुर्दशी 11:40 AM **19** *आर्द्रा 9:10 AM* अमावस्या तर्पण	अमावस्या 10:32 AM **20** *पुनर्वसु 8:51 AM* उत्तर भारत श्रावण सोमवार **हरियाली अमावस** चन्द्र कर्क 2:59 AM	श्रावण शुक्ल पक्ष **21** प्रतिपदा 8:54 AM *पुष्य 8:00 AM*	द्वितीया 6:52 AM **22** तृतीया कल 4:33 AM *आश्लेषा 6:46 AM* *मघा कल 5:14 AM* चन्द्र सिंह 6:46 AM **हरियाली तीज, मधुश्रवा**	चतुर्थी कल 2:04 AM **23** *पूर्वाफाल्गुनी कल 3:33 AM* मास विनायक चतुर्थी	पंचमी 11:32 PM **24** *उत्तराफाल्गुनी कल 1:48 AM* चन्द्र कन्या 9:07 AM **नाग पंचमी** (उत्तर भारत)	षष्टी 9:02 PM **25** *हस्त कल 0:07 AM* मास स्कन्दषष्ठी कल्कि जयंती
सप्तमी 6:40 PM **26** *चित्रा 10:34 PM* चन्द्र तुला 11:19 AM गोस्वामी तुलसीदास जयंती	अष्टमी 4:28 PM **27** *स्वाती 9:11 PM* श्रावण सोमवार मास दुर्गाष्टमी	नवमी 2:29 PM **28** *विशाखा 8:03 PM* चन्द्र वृश्चिक 2:19 PM	दशमी 12:46 PM **29** *अनुराधा 7:10 PM*	एकादशी 11:20 AM **30** *ज्येष्ठा 6:35 PM* चन्द्र धनु 6:35 PM पवित्रा एकादशी	द्वादशी 10:12 AM **31** *मूल 6:18 PM* प्रदोष एकादशी पारणा 5:46 – 10:12 **वरलक्ष्मी व्रत**	

यह केलेंडर में तिथी, नक्षत्र का समय उनके समाप्त होने का समय है, और सूर्य और चन्द्र का समय उनके राशि प्रवेश का समय है, अगर तिथी और नक्षत्र मध्यरात्रि के बाद समाप्त होते है तो वहाँ पे 'कल' लिखा है, अगर वो एक सूर्योदय से दूसरे सूर्योदय तक है वहाँ 'अहोरात्र'' लिखा है
यह पंचांग 'MYPANCHANG.COM' ने सियाटल के अक्षांश, रेखांश के आधार पर बनाया है

बालकृष्ण तिथि नक्षत्र दर्शन

शक संवत्सर: शार्वरी, विक्रमी संवत्सर: प्रमादी
दक्षिणायन, वर्षा ऋतु – शरद ऋतु

अगस्त २०२०

कर्ता: पंडित महेश शास्त्री
टेलीफोन: (425) 445-9117 ● seattlepandit.com ● mypanchang.com

श्रावण – भाद्रपद

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
त्रयोदशी 8:19 PM **30** *श्रवण कल 2:34 AM* प्रदोष **ओणम (केराला)**	चतुर्दशी 9:09 PM **31** *धनिष्ठा कल 4:08 AM* चन्द्र कुम्भ 3:18 PM **अनंत चतुर्दशी** **गणेश विसर्जन**	**गणेश चतुर्थी मुहूर्त** **अगस्त २१ स्थापना मुहूर्त** 07:59 AM – 09:01 AM 10:00 AM - 11:26 AM	**रक्षा बंधन मुहूर्त** **अगस्त ३** 09:33 AM - 11:23 AM	भारत में 3 प्रमुख कलेंडर है, 1) अमावस्यान्त -- यहाँ महीने अमावस्या पे समाप्त होते है, यह दक्षिण भारत, गुजरात, और महाराष्ट्र में प्रचलित है, 2) पूर्णिमान्त – यहाँ महीने पूर्णिमा पे समाप्त होते है। अमावस्यान्त और पूर्णिमान्त दोनों में शुक्ल पक्ष एक होता है, मगर कृष्ण पक्ष अलग। जैसे अमावस्यान्त का वैशाख कृष्ण पक्ष पूर्णिमान्त प्रथा मैं ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष होगा, और दोनों के ज्येस्ष्ट शुक्ल पक्ष एक ही होगे। 3) सौर मान -- यह ओड़ीसा, आसाम, बंगाल, तामिलनाडु और केरल में प्रचलित है, यहाँ पे महीने सूर्य के राशि के हिसाब से होते है.		श्रावण शुक्ल पक्ष **1** त्रयोदशी 9:24 AM *पूर्वाषाढा 6:22 PM*
चतुर्दशी 8:59 AM **2** *उत्तराषाढा 6:49 PM* चन्द्र मकर 0:27 AM सत्यनारायण व्रत	पूर्णिमा 8:58 AM **3** *श्रवण 7:41 PM* **श्रावण सोमवार** **रक्षाबंधन** **ऋक – यजुर्वेद उपाकर्म**	श्रावण कृष्ण पक्ष **4** प्रतिपदा 9:25 AM *धनिष्ठा 9:00 PM* पूर्णिमान्त भाद्रपद कृष्ण पक्ष **गायत्री जप** चन्द्र कुम्भ 8:17 AM	द्वितीया 10:20 AM **5** *शतभिषा 10:48 PM* **श्री राघवेंद्र स्वामी आराधना**	तृतीया 11:45 AM **6** *पूर्वाभाद्रपद कल 1:03 AM* चन्द्र मीन 6:27 PM **संकष्टी चतुर्थी** **चंद्रोदय: 10:25:31 PM** **बहुला चतुर्थी, कजरी तीज**	चतुर्थी 1:36 PM **7** *उत्तराभाद्रपद कल 3:42 AM*	पंचमी 3:49 PM **8** *रेवती अहोरात्र* **नाग पांचम** (गुजरात)
षष्टी 6:13 PM **9** *रेवती 6:36 AM* चन्द्र मेष 6:36 AM **बलराम जयंती,** **रांधन छठ** (गुजरात)	सप्तमी 8:37 PM **10** *अश्विनी 9:36 AM* **श्रावण सोमवार** (गुजरात, महाराष्ट्र, दक्षिण भारत) शीतला सातम (गुजरात) **कृष्ण जन्माष्टमी** पारणा कल रात 10:46 PM बाद	अष्टमी 10:46 PM **11** *भरणी 12:27 PM* चन्द्र वृषभ 7:07 PM **वैष्णव कृष्ण जन्माष्टमी** **गोकुल अष्टमी** पारणा कल सुबह 6:02 AM बाद	नवमी कल 0:28 AM **12** *कृत्तिका 2:56 PM* **श्री गुग्गा नवमी**	दशमी कल 1:32 AM **13** *रोहिणी 4:52 PM*	एकादशी कल 1:50 AM **14** *मृगशिर्षा 6:06 PM* चन्द्र मिथुन 5:35 AM अजा एकादशी	द्वादशी कल 1:21 AM **15** *आर्द्रा 6:33 PM* एकादशी पारणा 7:42 – 10:50 **भारतीय स्वातंत्र दीन**
त्रयोदशी कल 0:05 AM **16** *पुनर्वसु 6:14 PM* सूर्य सिंह 6:47 AM चन्द्र कर्क 12:23 PM प्रदोष, मास शिवरात्रि	चतुर्दशी 10:10 PM **17** *पुष्य 5:13 PM* **श्रावण सोमवार** (गुजरात, महाराष्ट्र, दक्षिण भारत) अघोर चतुर्दशी	अमावस्या 7:41 PM **18** *आश्लेषा 3:38 PM* चन्द्र सिंह 3:38 PM अमावस्या तर्पण **पीठोरी अमावस**	भाद्रपद शुक्ल पक्ष **19** प्रतिपदा 4:49 PM *मघा 1:37 PM*	द्वितीया 1:43 PM **20** *पूर्वाफाल्गुनी 11:21 AM* चन्द्र कन्या 4:45 PM **वराह जयंती**	तृतीया 10:33 AM **21** *उत्तराफाल्गुनी 8:59 AM* **हरितालिका** **गणेश चतुर्थी** **सामवेद उपाकर्म**	चतुर्थी 7:27 AM **22** पंचमी कल 4:34 AM *हस्त 6:41 AM* *चित्रा कल 4:36 AM* चन्द्र तुला 5:36 PM, शरद ऋतु **ऋषि पंचमी**
षष्टी कल 2:01 AM **23** *स्वाती कल 2:50 AM* मास स्कन्दषष्ठी	सप्तमी 11:52 PM **24** *विशाखा कल 1:29 AM* चन्द्र वृश्चिक 7:47 PM	अष्टमी 10:09 PM **25** *अनुराधा कल 0:34 AM* मास दुर्गाष्टमी **राधा अष्टमी** **महालक्ष्मी व्रत प्रारंभ**	नवमी 8:55 PM **26** *ज्येष्ठा कल 0:07 AM* श्री चंद नवमी	दशमी 8:08 PM **27** *मूल कल 0:07 AM* चन्द्र धनु 0:07 AM	एकादशी 7:47 PM **28** *पूर्वाषाढा कल 0:33 AM* **पद्मा/परिवर्तिनी एकादशी**	द्वादशी 7:51 PM **29** *उत्तराषाढा कल 1:22 AM* चन्द्र मकर 6:43 AM एकादशी पारणा 6:25 – 10:54 **वामन जयंती**

यह केलेंडर में तिथी, नक्षत्र का समय उनके समाप्त होने का समय है, और सूर्य और चन्द्र का समय उनके राशि प्रवेश का समय है, अगर तिथी और नक्षत्र मध्यरात्रि के बाद समाप्त होते है तो वहाँ पे 'कल' लिखा है, अगर वो एक सूर्योदय से दूसरे सूर्योदय तक है वहाँ 'अहोरात्र'' लिखा है
यह पंचांग 'MYPANCHANG.COM' ने सियाटल के अक्षांश, रेखांश के आधार पर बनाया है

बालकृष्ण तिथि नक्षत्र दर्शन

शक संवत्सर: शार्वरी, विक्रमी संवत्सर: प्रमादी
दक्षिणायन, शरद ऋतु

सितंबर २०२०

कर्ता: पंडित महेश शास्त्री
टेलीफोन: (425) 445-9117 ● seattlepandit.com ● mypanchang.com

भाद्रपद – अधिक आश्विन

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
		1 ○ भाद्रपद शुक्ल पक्ष पूर्णिमा 10:22 PM *शतभिषा कल 6:04 AM* सत्यनारायण व्रत	**2** भाद्रपद कृष्ण पक्ष प्रतिपदा 11:57 PM *पूर्वाभाद्रपद अहोरात्र* पूर्णिमान्त आश्विन कृष्ण पक्ष प्रतिपदा श्राद्ध पितृ पक्ष शरू	**3** द्वितीया कल 1:54 AM *पूर्वाभाद्रपद 8:21 AM* चन्द्र मीन 1:45 AM द्वितीया श्राद्ध	**4** तृतीया कल 4:09 AM *उत्तराभाद्रपद 10:58 AM* तृतीया श्राद्ध	**5** चतुर्थी अहोरात्र *रेवती 1:51 PM* चन्द्र मेष 1:51 PM चतुर्थी श्राद्ध संकष्टी चतुर्थी चंद्रोदय: 9:25:35 PM
6 चतुर्थी 6:37 AM *अश्विनी 4:54 PM* पंचमी श्राद्ध	**7** पंचमी 9:09 AM *भरणी 7:56 PM* भरणी श्राद्ध षष्ठी श्राद्ध	**8** षष्ठी 11:33 AM *कृत्तिका 10:45 PM* चन्द्र वृषभ 2:40 AM सप्तमी श्राद्ध	**9** सप्तमी 1:36 PM *रोहिणी कल 1:09 AM*	**10** अष्टमी 3:05 PM *मृगशिर्षा कल 2:55 AM* चन्द्र मिथुन 2:07 PM अष्टमी श्राद्ध जीवित पुत्रिका व्रत (जीतिया) महालक्ष्मी व्रत समाप्त	**11** नवमी 3:50 PM *आर्द्रा कल 3:55 AM* नवमी श्राद्ध	**12** दशमी 3:44 PM *पुनर्वसु कल 4:04 AM* चन्द्र कर्क 10:06 PM दशमी श्राद्ध
13 एकादशी 2:46 PM *पुष्य कल 3:22 AM* इंदिरा एकादशी एकादशी श्राद्ध द्वादशी श्राद्ध	**14** द्वादशी 1:00 PM *आश्लेषा कल 1:55 AM* एकादशी पारणा 6:46 – 10:57 त्रयोदशी श्राद्ध प्रदोष	**15** त्रयोदशी 10:30 AM *मघा 11:51 PM* चन्द्र सिंह 1:55 AM मास शिवरात्रि मघा श्राद्ध , चतुर्दशी श्राद्ध	**16** ● चतुर्दशी 7:27 AM अमावस्या कल 4:00 AM *पूर्वाफाल्गुनी 9:18 PM* सूर्य कन्या 6:44 AM अमावस्या तर्पण, अमावस्याश्राद्ध पितृपक्ष समाप्त, सर्वपितृ श्राद्ध	**17** अधिकआश्विन शुक्ल पक्ष प्रतिपदा कल 0:20 AM *उत्तराफाल्गुनी 6:30 PM* अधिक आश्विन मास शरू पुरुषोत्तम मास शरू चन्द्र कन्या 2:37 AM	**18** द्वितीया 8:40 PM *हस्त 3:37 PM*	**19** तृतीया 5:09 PM *चित्रा 12:50 PM* चन्द्र तुला 2:12 AM
20 चतुर्थी 1:57 PM *स्वाती 10:22 AM* मास विनायक चतुर्थी	**21** पंचमी 11:12 AM *विशाखा 8:19 AM* *अनुराधा कल 6:48 AM* चन्द्र वृश्चिक 2:47 AM मास स्कन्दषष्ठी	**22** षष्ठी 9:01 AM *ज्येष्ठा कल 5:55 AM* राहु वृषभ राशि में 08:07:30 PM	**23** सप्तमी 7:27 AM अष्टमी कल 6:31 AM *मूल कल 5:40 AM* चन्द्र धनु 5:55 AM मास दुर्गाष्टमी	**24** नवमी कल 6:13 AM *पूर्वाषाढा कल 6:01 AM*	**25** दशमी कल 6:30 AM *उत्तराषाढा कल 6:56 AM* चन्द्र मकर 12:12 PM	**26** एकादशी अहोरात्र *श्रवण अहोरात्र*
27 एकादशी 7:16 AM *श्रवण 8:20 AM* चन्द्र कुम्भ 9:11 PM पद्मिनी एकादशी	**28** द्वादशी 8:29 AM *धनिष्ठा 10:08 AM* एकादशी पारणा 7:05 – 8:29 प्रदोष	**29** त्रयोदशी 10:03 AM *शतभिषा 12:18 PM*	**30** चतुर्दशी 11:56 AM *पूर्वाभाद्रपद 2:45 PM* चन्द्र मीन 8:07 AM सत्यनारायण व्रत	हिन्दू काल गणना के अनुसार मास में ३० तिथियाँ होतीं हैं, जो दो पक्षों में बंटीं होती हैं। सूर्य एवं चंद्र के अंतर से तिथि का निर्माण होता है। पूर्णिमा को सूर्य-चंद्र एक-दूसरे के सामने (१८० अंश) एवं अमावस्या को एक साथ रहते हैं (० अंश)। इन दोनों ग्रहों के भोंगाश में अन्तर का बढना ही तिथि को जन्म देता है। राशि चक्र में ३६० अंश होते है। हमारी तिथियाँ शुक्ल पक्ष की १५ और कृष्ण पक्ष की १५ होती है। अत: ३० तिथियाँ एक माह में होती है। ३६० / ३० करने से प्रत्येक तिथि का चन्द्र से सूर्य का अंतर १२ अंश होता है। पृथ्वी की भ्रमणकक्षा दीर्घ वृत्ताकार है इसी लिए यह १२अंश के अंतर के लिए १९ से २७ घंटे लगते है। इसी लिए हमारी तिथियाँ २४ घंटे की नहीं होती मगर १९ से २७ घंटे के आसपास होती है।		

यह केलेंडर में तिथी, नक्षत्र का समय उनके समाप्त होने का समय है, और सूर्य और चन्द्र का समय उनके राशि प्रवेश का समय है, अगर तिथी और नक्षत्र मध्यरात्रि के बाद समाप्त होते है तो वहाँ पे 'कल' लिखा है, अगर वो एक सूर्योदय से दूसरे सूर्योदय तक है वहाँ 'अहोरात्र'' लिखा है
यह पंचांग 'MYPANCHANG.COM' ने सियाटल के अक्षांश, रेखांश के आधार पर बनाया है

बालकृष्ण तिथि नक्षत्र दर्शन

शक संवत्सर: शार्वरी, विक्रमी संवत्सर: प्रमादी
दक्षिणायन, शरद ऋतु – हेमंत ऋतु

अक्तूबर २०२०

कर्ता: पंडित महेश शास्त्री
टेलीफोन: (425) 445-9117 ● seattlepandit.com ● mypanchang.com

अधिक आश्विन - आश्विन – कार्तिक

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
				1 ○ अधिकआश्विन शुक्ल पक्ष पूर्णिमा 2:05 PM *उत्तराभाद्रपद 5:27 PM*	2 अधिकआश्विन कृष्ण पक्ष प्रतिपदा 4:27 PM *रेवती 8:21 PM* **चन्द्र मेष 8:21 PM** **गांधी जयंती**	3 द्वितीया 6:58 PM *अश्विनी 11:22 PM*
4 तृतीया 9:32 PM *भरणी कल 2:26 AM*	5 चतुर्थी कल 0:02 AM *कृत्तिका कल 5:24 AM* **चन्द्र वृषभ 9:12 AM** **संकष्टी चतुर्थी** **चंद्रोदय: 8:35:08 PM**	6 पंचमी कल 2:17 AM *रोहिणी अहोरात्र*	7 षष्टी कल 4:07 AM *रोहिणी 8:06 AM* **चन्द्र मिथुन 9:17 PM**	8 सप्तमी कल 5:19 AM *मृगशिर्षा 10:20 AM*	9 अष्टमी कल 5:47 AM *आर्द्रा 11:57 AM*	10 नवमी कल 5:23 AM *पुनर्वसु 12:48 PM* **चन्द्र कर्क 6:40 AM**
11 दशमी कल 4:09 AM *पुष्य 12:49 PM*	12 एकादशी कल 2:06 AM *आश्लेषा 12:00 PM* **चन्द्र सिंह 12:00 PM** **परमा एकादशी**	13 द्वादशी 11:21 PM *मघा 10:25 AM* **एकादशी पारणा 7:26 – 11:04**	14 त्रयोदशी 8:03 PM *पूर्वाफाल्गुनी 8:11 AM* *उत्तराफाल्गुनी कल 5:28 AM* **चन्द्र कन्या 1:32 PM प्रदोष,** **मास शिवरात्रि**	15 चतुर्दशी 4:23 PM *हस्त कल 2:28 AM*	16 ● अमावस्या 12:31 PM *चित्रा 11:22 PM* **सूर्य तुला 6:42 PM** **चन्द्र तुला 12:55 PM** **अमावस्या तर्पण** **अधिक आश्विन मास समाप्त** **पुरुषोत्तम मास समाप्त**	17 शुद्धआश्विन शुक्ल पक्ष प्रतिपदा 8:38 AM द्वितीया कल 4:57 AM *स्वाती 8:21 PM* **देवी नवरात्रि शरू** **घट स्थापना मुहूर्त** **8:15 AM – 10:12 AM**
18 तृतीया कल 1:38 AM *विशाखा 5:38 PM* **चन्द्र वृश्चिक 12:17 PM**	19 चतुर्थी 10:49 PM *अनुराधा 3:23 PM* **मास विनायक चतुर्थी**	20 पंचमी 8:38 PM *ज्येष्ठा 1:42 PM* **चन्द्र धनु 1:42 PM** **ललिता पंचमी** **सरस्वती पूजा**	21 षष्टी 7:10 PM *मूल 12:43 PM* **मास स्कन्दषष्ठी**	22 सप्तमी 6:27 PM *पूर्वाषाढा 12:29 PM* **चन्द्र मकर 6:32 PM, हेमंत ऋतु** **भद्रादेवी पूजा 23 सुबह और** **22 की रात्रि 00:25 AM**	23 अष्टमी 6:29 PM *उत्तराषाढा 12:58 PM* **दुर्गाष्टमी** **संधि पूजा शाम 6:29 PM**	24 नवमी 7:12 PM *श्रवण 2:08 PM* **महानवमी**
25 दशमी 8:30 PM *धनिष्ठा 3:53 PM* **चन्द्र कुम्भ 2:57 AM** **विजयादशमी, दशेरा** **विजय मुहूर्त** **1:53 PM – 2:34 PM**	26 एकादशी 10:17 PM *शतभिषा 6:07 PM* **पाशांकुशा एकादशी**	27 द्वादशी कल 0:24 AM *पूर्वाभाद्रपद 8:41 PM* **एकादशी पारणा 7:47 – 11:09** **चन्द्र मीन 2:01 PM**	28 त्रयोदशी कल 2:46 AM *उत्तराभाद्रपद 11:30 PM* **प्रदोष**	29 चतुर्दशी कल 5:16 AM *रेवती कल 2:27 AM*	30 ○ पूर्णिमा कल 7:49 AM *अश्विनी कल 5:28 AM* **चन्द्र मेष 2:27 AM** **सत्यनारायण व्रत** **शरद पूर्णिमा, लक्ष्मी पूर्णिमा** **कोजागरी, वाल्मीकि जयंती**	31 शुद्धआश्विन कृष्ण पक्ष प्रतिपदा अहोरात्र *भरणी अहोरात्र* **पूर्णिमान्त कार्तिक कृष्ण पक्ष** **सरदार पटेल जयंती**

यह केलेंडर में तिथी, नक्षत्र का समय उनके समाप्त होने का समय है, और सूर्य और चन्द्र का समय उनके राशि प्रवेश का समय है, अगर तिथी और नक्षत्र मध्यरात्रि के बाद समाप्त होते है तो वहाँ पे 'कल' लिखा है, अगर वो एक सूर्योदय से दूसरे सूर्योदय तक है वहाँ 'अहोरात्र'' लिखा है
यह पंचांग 'MYPANCHANG.COM' ने सियाटल के अक्षांश, रेखांश के आधार पर बनाया है

बालकृष्ण तिथि नक्षत्र दर्शन

शक संवत्सर: शार्वरी, विक्रमी संवत्सर: प्रमादी
दक्षिणायन, हेमंत ऋतु

नवंबर २०२०

कर्ता: पंडित महेश शास्त्री
टेलीफोन: (425) 445-9117 ● seattlepandit.com ● mypanchang.com

कार्तिक – मार्गशीर्ष

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
शुद्धआश्विन कृष्ण पक्ष **1** प्रतिपदा 9:20 AM *भरणी 7:27 AM* पूर्णिमान्त कार्तिक कृष्ण पक्ष चन्द्र वृषभ 2:11 PM	द्वितीया 11:44 AM **2** *कृत्तिका 10:20 AM*	तृतीया 1:54 PM **3** *रोहिणी 1:00 PM* संकष्टी चतुर्थी (अंगारकी), चंद्रोदय 6:40 PM करवा चोथ	चतुर्थी 3:44 PM **4** *मृगशिर्षा 3:21 PM* चन्द्र मिथुन 2:13 AM	पंचमी 5:07 PM **5** *आर्द्रा 5:15 PM*	षष्टी 5:53 PM **6** *पुनर्वसु 6:35 PM* चन्द्र कर्क 12:19 PM	सप्तमी 5:59 PM **7** *पुष्य 7:15 PM*
अष्टमी 5:21 PM **8** *आश्लेषा 7:13 PM* चन्द्र सिंह 7:13 PM अहोई अष्टमी	नवमी 3:58 PM **9** *मघा 6:26 PM*	दशमी 1:53 PM **10** *पूर्वाफाल्गुनी 4:58 PM* चन्द्र कन्या 10:31 PM	एकादशी 11:11 AM **11** *उत्तराफाल्गुनी 2:55 PM* रमा एकादशी वसु बारस गोवत्स द्वादशी	द्वादशी 8:00 AM **12** त्रयोदशी कल 4:29 AM *हस्त 12:25 PM* चन्द्र तुला 11:02 PM प्रदोष एकादशी पारणा 7:11 – 8:00 धनतेरस	चतुर्दशी कल 0:48 AM **13** *चित्रा 9:36 AM* *स्वाती कल 6:39 AM* मास शिवरात्रि नरक चतुर्दशी छोटी दिवाली, हनुमान जयंती	अमावस्या 9:07 PM **14**● *विशाखा कल 3:46 AM* चन्द्र वृश्चिक 10:28 PM शनिश्चरी अमावस्या तर्पण दिवाली
कार्तिक शुक्ल पक्ष **15** प्रतिपदा 5:36 PM *अनुराधा कल 1:06 AM* सूर्य वृश्चिक 5:31 PM गोवर्धन पूजा अन्नकूट, गुजराती नव वर्ष	द्वितीया 2:27 PM **16** *ज्येष्ठा 10:51 PM* चन्द्र धनु 10:51 PM भैया दूज चित्रगुप्त दावत पूजा बंगाल कार्तिक पूजा	तृतीया 11:47 AM **17** *मूल 9:10 PM* मास विनायक चतुर्थी	चतुर्थी 9:46 AM **18** *पूर्वाषाढा 8:08 PM* छठ नहाय खाय	पंचमी 8:29 AM **19** *उत्तराषाढा 7:52 PM* चन्द्र मकर 2:00 AM स्कन्दषष्ठी, लाभ पंचमी, ज्ञान पंचमी छठ खरना	षष्टी 8:00 AM **20** *श्रवण 8:23 PM* छठ सायंकाल अर्घ्य गुरु मकर में सामा-चकेवा प्रारंभ (बिहार)	सप्तमी 8:18 AM **21** *धनिष्ठा 9:39 PM* चन्द्र कुम्भ 8:56 AM छठ सुबह का अर्घ्य
अष्टमी 9:21 AM **22** *शतभिषा 11:35 PM* मास दुर्गाष्टमी गोपा अष्टमी अक्षय नवमी	नवमी 11:02 AM **23** *पूर्वाभाद्रपद कल 2:02 AM* चन्द्र मीन 7:23 PM	दशमी 1:12 PM **24** *उत्तराभाद्रपद कल 4:50 AM*	एकादशी 3:40 PM **25** *रेवती अहोरात्र* देव उठनी एकादशी	द्वादशी 6:16 PM **26** *रेवती 7:51 AM* चन्द्र मेष 7:51 AM एकादशी पारणा 7:32 – 10:27 तुलसी विवाह	त्रयोदशी 8:51 PM **27** *अश्विनी 10:53 AM* प्रदोष	चतुर्दशी 11:18 PM **28** *भरणी 1:49 PM* चन्द्र वृषभ 8:31 PM
पूर्णिमा कल 1:29 AM **29**○ *कृत्तिका 4:33 PM* सत्यनारायण व्रत देव दिवाली, त्रिपुर दीप सामा-चकेवा समाप्त (बिहार) चंद्र ग्रहण 11:32 PM – 3:53 AM	कार्तिक कृष्ण पक्ष **30** प्रतिपदा कल 3:22 AM *रोहिणी 7:01 PM* पूर्णिमान्त मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष				धनतेरस नवंबर १२ लक्ष्मी पूजा मुहूर्त 4:37 PM – 6:19 PM	दिवाली नवंबर १४ लक्ष्मी पूजा मुहूर्त 4:30 PM – 6:11 PM

यह केलेंडर में तिथी, नक्षत्र का समय उनके समाप्त होने का समय है, और सूर्य और चन्द्र का समय उनके राशि प्रवेश का समय है, अगर तिथी और नक्षत्र मध्यरात्रि के बाद समाप्त होते है तो वहाँ पे 'कल' लिखा है, अगर वो एक सूर्योदय से दूसरे सूर्योदय तक है वहाँ 'अहोरात्र'' लिखा है

यह पंचांग 'MYPANCHANG.COM' ने सियाटल के अक्षांश, रेखांश के आधार पर बनाया है

बालकृष्ण तिथि नक्षत्र दर्शन

शक संवत्सर: शार्वरी, विक्रमी संवत्सर: प्रमादी
दक्षिणायन - उत्तरायन, हेमंत ऋतु – शिशिर ऋतु

दिसंबर २०२०

कर्ता: पंडित महेश शास्त्री
टेलीफोन: (425) 445-9117 ● seattlepandit.com ● mypanchang.com

मार्गशीर्ष – पौष

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार
		1 कार्तिक कृष्ण पक्ष द्वितीया कल 4:52 AM *मृगशिर्षा 9:08 PM* चन्द्र मिथुन 8:07 AM पूर्णिमान्त मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष	2 तृतीया कल 5:57 AM *आर्द्रा 10:51 PM*	3 चतुर्थी कल 6:34 AM *पुनर्वसु कल 0:09 AM* चन्द्र कर्क 5:52 PM संकष्टी चतुर्थी चंद्रोदय: 7:06:46 PM	4 पंचमी कल 6:40 AM *पुष्य कल 0:58 AM*	5 षष्टी कल 6:15 AM *आश्लेषा कल 1:16 AM*
6 सप्तमी कल 5:17 AM *मघा कल 1:03 AM* चन्द्र सिंह 1:16 AM	7 अष्टमी कल 3:47 AM *पूर्वाफाल्गुनी कल 0:18 AM* काल भैरव जयंती	8 नवमी कल 1:47 AM *उत्तराफाल्गुनी 11:03 PM* चन्द्र कन्या 6:02 AM	9 दशमी 11:21 PM *हस्त 9:21 PM*	10 एकादशी 8:34 PM *चित्रा 7:18 PM* चन्द्र तुला 8:22 AM उत्पन्ना एकादशी	11 द्वादशी 5:32 PM *स्वाती 5:00 PM* एकादशी पारणा 7:49 – 10:37 प्रदोष	12 त्रयोदशी 2:23 PM *विशाखा 2:35 PM* चन्द्र वृश्चिक 9:11 AM मास शिवरात्रि
13 चतुर्दशी 11:14 AM *अनुराधा 12:10 PM* अमावस्या तर्पण	14 ● अमावस्या 8:16 AM प्रतिपदा कल 5:36 AM *ज्येष्ठा 9:56 AM* चन्द्र धनु 9:56 AM	15 मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष द्वितीया कल 3:24 AM *मूल 8:01 AM* *पूर्वाषाढा कल 6:34 AM* सूर्य धनु 8:08 AM धनुर्मास प्रारम्भ	16 तृतीया कल 1:48 AM *उत्तराषाढा कल 5:43 AM* चन्द्र मकर 12:18 PM	17 चतुर्थी कल 0:53 AM *श्रवण कल 5:34 AM* मास विनायक चतुर्थी	18 पंचमी कल 0:44 AM *धनिष्ठा कल 6:10 AM* चन्द्र कुम्भ 5:46 PM	19 षष्टी कल 1:23 AM *शतभिषा कल 7:31 AM* मास स्कन्दषष्ठी गुह षष्ठी
20 सप्तमी कल 2:45 AM *पूर्वाभाद्रपद अहोरात्र* मित्र सप्तमी	21 अष्टमी कल 4:44 AM *पूर्वाभाद्रपद 9:33 AM* चन्द्र मीन 2:59 AM मास दुर्गाष्टमी, शिशिर ऋतु उत्तरायण (Winter Solstice)	22 नवमी कल 7:09 AM *उत्तराभाद्रपद 12:07 PM*	23 दशमी अहोरात्र *रेवती 3:03 PM* चन्द्र मेष 3:03 PM	24 दशमी 9:47 AM *अश्विनी 6:06 PM*	25 एकादशी 12:24 PM *भरणी 9:05 PM* मोक्षदा एकादशी वैकुंठ एकादशी गीता जयंती	26 द्वादशी 2:48 PM *कृत्तिका 11:49 PM* चन्द्र वृषभ 3:48 AM एकादशी पारणा 7:58 – 10:45
27 त्रयोदशी 4:50 PM *रोहिणी कल 2:10 AM* प्रदोष	28 चतुर्दशी 6:24 PM *मृगशिर्षा कल 4:02 AM* चन्द्र मिथुन 3:09 PM	29 ○ पूर्णिमा 7:28 PM *आर्द्रा कल 5:25 AM* सत्यनारायण व्रत दत्तात्रेय जयंती	30 मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष प्रतिपदा 8:00 PM *पुनर्वसु कल 6:19 AM* पूर्णिमान्त पौष कृष्ण पक्ष	31 द्वितीया 8:03 PM *पुष्य कल 6:45 AM* चन्द्र कर्क 0:08 AM		

यह केलेंडर में तिथी, नक्षत्र का समय उनके समाप्त होने का समय है, और सूर्य और चन्द्र का समय उनके राशि प्रवेश का समय है, अगर तिथी और नक्षत्र मध्यरात्रि के बाद समाप्त होते है तो वहाँ पे 'कल' लिखा है, अगर वो एक सूर्योदय से दूसरे सूर्योदय तक है वहाँ 'अहोरात्र'' लिखा है

यह पंचांग 'MYPANCHANG.COM' ने सियाटल के अक्षांश, रेखांश के आधार पर बनाया है

बालकृष्ण तिथि नक्षत्र दर्शन

कर्ता: पंडित महेश शास्त्री

टेलीफोन: (425) 445-9117 ● seattlepandit.com ● mypanchang.com

Solar / Lunar	Begin Date/Time	End Date/Time
Penumbral Lunar Eclipse Ketu Grastha	July 4th 2020 9:11 PM	July 4th 10:52 PM
Penumbral Lunar Eclipse Rahu Grastha	November 29 2020 11:32 PM	November 30th 3:53 AM

Major Planetary Movements

Major Planets	Rashi	Transit Date	Direcct/ Retrograde
Shani	Makara	Jan 24th 21:22:30 PST	Direct
Guru	Makara	Mar 29th 16:16:52 PDT	Direct
Guru	Dhanush	Jun 29th 16:00:00 PDT	Retrograde
Guru	Makara	Nov 21st 00:33:35 PST	Direct
Rahu	Vrishabha	Sept 22nd 20:07:30 PST	Always Retrograde
Ketu	Vrischika	Sept 22nd 20:07:30 PST	Always Retrograde

Vratam

	January	Ferbruary	March	April	May	June	July	August	September	October	November	December
Sh. Chaturthi	28	27	27	26	25	24	23	21	20	19	17	17
Sh Shasthi	30	29	29	28	27	26	25	23	21	21	19	19
Sh. Asthami	2	1	2	1,30	30	28	27	25	23	23	22	21
Vaishnava Sh. Ekadashi	6	5	5	4	3	1	1,30	28	27	26	25	25
Sh. Pradosham	7	6	6	5	4	2	2,31	30	28	28	27	27
Satyanarayana Puja	9	8	8	7	6	4	4	2	1,30	30	29	29
Poornima	10	8	9	7	6	5	4	3	1	1,30	29	29
Sankatahara Chaturthi	13	11	12	10	9	8	7	6	5	5	3	3
Vaishnava K. Ekadashi	20	19	19	18	17	16	16	14	13	12	11	10
K. Pradosham	21	20	21	19	19	18	17	16	14	14	12	11
Masa Shivaratri	22	21	21	20	20	18	18	17	15	14	13	12
Amavasya Tarpanam	23	22	23	22	21	20	19	18	16	16	14	13
Amavasya	24	23	23	22	22	20	20	18	16	16	14	14
Krittika Nakshatra	6	2	1,28	24	21	18	16	11	8	5	1,28	26
Rohini Nakshatra	7	4	2,29	26	23	19	17	13	9	6	3,30	27
Punarvasu Nakshatra	10	7	5	2,29	26	22	20	16	12	10	6	3
Swati Nakshatra	18	14	12	9	6	3,30	27	23	20	17	13	11
Shravana Nakshatra	25	21	19	16	13	9	7	3,30	27	24	20	17

Muhurtha 2020

Day	Date	Sun Rasshi	Tithi	Nakshatra	Chandramana or Saurmana	Grihapravesha, Wedding, Vehicle
Thursday	January 16th	Makara	Pushya Kr Saptami	Hasta	Both	Wedding, Vehicle
Wednesday	January 29th	Makara	Magha Sh. Panchami	U.Bhadrapada	Both	Wedding
Thursday	January 30th	Makara	Magha Sh. Shasthi	Revati	Both	Wedding, Graha Pravesha
Tuesday	February 4th	Makara	Magha Sh. Dashami	Rohini	Both	Wedding, Graha Pravesha, Vehicle
Wednesday	February 12th	Makara	Magha Kr. Chaturthi	Hasta	Chandramana	Wedding
Wednesday	February 26th	Kumbha	Phalguna Sh. Tritiya	U.Bhadrapada	Chandramana	Wedding, Vehicle Buying
Friday	February 28th	Kumbha	Phalguna Sh. Panchami	Ashwini	Both	Wedding, Vehicle Buying
Wednesday	April 15th	Mesha	Chaitra Kr. Asthami	U.Shadha	Both	Wedding
Thursday	April 16th	Mesha	Chaitra Kr. Dashami	Shravana	Both	Weddomg
Saturday	April 18th	Mesha	Chaitra Kr. Ekadashi	Shatabhisha	Both	Graha Pravesha, Vehicle Buying
Saturday	April 25th	Mesha	Vaishakh Sh. Tritiya	Rohini	Both	All – Akshaya Tritiya
Sunday	April 26th	Mesha	Vaishakh Sh. Chaturthi	Rohini/Mrigasira	Both	Wedding
Wednesday	April 29th	Mesha	Vaishakh Sh. Saptami	Punarvasu	Both	Vehicle
Saturday	May 2nd	Mesha	Vaishakh Sh. Dashami	Magha	Both	Wedding
Monday	May 4th	Mesha	Vaishakh Sh. Dvadashi	U.Phalguni	Chandramana	Wedding, Graha Pravesha
Sunday	May 10th	Mesha	Vaishakh Kr. Chaturthi	Mula	Chandramana	Wedding
Tuesday	May 12th	Mesha	Vaishakh Kr. Shasthi	U.Shadha	Chandramana	Wedding
Monday	May 18th	Vrishabha	Vaishakh Kr. Ekadashi	U.Bhadrapada	Chandramana	Wedding, Graha Pravesha
Sunday	May 24th	Vrishabha	Jyestha Sh. Dvitiya	Mrigasira	Chandramana	Wedding
Wednesday	May 27th	Vrishabha	Jyestha Sh. Panchami	Pushya	Both	Wedding, Vehicle Buying
Saturday	June 27th	Mithuna	Ashaadha Sh Satpami	U.Phalguni	Lunar	Vehicle
Tuesday	June 30th	Mithuna	AShaadha Sh Dashami	Svaati	Both	Wedding, Graha Pravesha, Vehicle
Saturday	July 25th	Karka	Shravana Sj. Shasthi	Hasta	Lunar	Vehicle Buying
Sunday	July 26th	Karka	Shravana Sh..Saptami	Chitra	Lunar	Wedding, Vehicle Buying
Wednesday	July 29th	Karka	Shravana Sh. Dashami	Anuradha	Lunar	Vehicle
Saturday	August 8th	Karka	Shravana Kr. Panchami	U.Bhadrapada	Lunar	Vehicle Buying
Thursday	August 13th	Karka	Shravana Kr. Dashami	Rohini	Lunar	Graha Pravesha, Vehicle Buying
Friday	August 14th	Karka	Shravana Kr. Ekadashi	Mrigasira	Lunar	Graha Pravesha, Vehicle Buying
Friday	August 21st	Simha	Bhadrapada Sh. Tritiya	U.Phalguni	Both	Vehicle
Saturday	August 29th	Simha	Bhadrapada Sh. Dvadashi	U.Shadha	Both	Graha Pravesha
Sunday	August 30th	Simha	Bhadrapad Sh.Trayodasi	Shravana	Both	Graha Pravesha, Vehicle Buying
Sunday	October 25th	Tula	Ashvayuja Sh. Dashami	Dhanishtha	Lunar	Graha Pravesha
Saturday	November 7th	Tula	Ashvayuja Kr. Saptami	Pushya	Both	Vehicle
Thursday	November 12th	Tula	Ashvayuja Kr. Dvadashi	Hasta	Both	Graha Pravesha, Vehicle Buying
Thursday	November 19th	Vrischika	Karthika Sh. Panchami	U.Shadha	Both	Wedding, Graha Pravesha, Vehicle
Thursday	November 26th	Vrischika	Karthika Sh. Dvadashi	Revathi	Both	Wedding, Graha Pravesha, Vehicle
Friday	November 27th	Vrischika	Karthika Sh. Trayodashi	Ashwini	Both	Wedding, Vehicle
Thursday	December 3rd	Vrischika	Karthika Kr. Tritiya	Punarvasu	Both	Vehicle
Wednesday	December 9th	Vrischika	Karthika Kr. Dashami	Hastha	Lunar	Wedding, Graha Pravesha, Vehicle
Thursday	December 10th	Vrischika	Karthika Kr. Ekadashi	Chitra	Both	Wedding, Graha Pravesha, Vehicle

Rise and Set of Guru and Shukra (Udaya – Astha)

Planet	Date	Rise/Set	Direction
Guru	January 17th 2020 *Sunrise	Rises (Udaya)	East
Shukra	May 29th 2020 *Sunset	Sets (Astha)	West
Shukra	June 15th 2020 *Sunrise	Rises (Udaya)	East

करारविन्देन पदार्विन्दं, मुखार्विन्दे विनिवेशयन्तम्।
वटस्य पत्रस्य पुटेशयानं, बालं मुकुन्दं मनसा स्मरामि॥
श्री कृष्ण गोविन्द हरे मुरारे, हे नाथ नारायण वासुदेव।
जिव्हे पिबस्वा मृतमेव देव, गोविन्द दामोदर माधवेति॥
विक्रेतुकामाखिल गोपकन्या, मुरारि पादार्पित चित्तवृतिः।
दध्यादिकं मोहावशादवोचद्, गोविन्द दामोदर माधवेति॥
गृहे-गृहे गोपवधू कदम्बाः, सर्वे मिलित्वा समवाप्ययोगम्।
पुण्यानि नामानि पठन्ति नित्यं, गोविन्द दामोदर माधवेति॥
सुखं शयाना निलये निजेऽपि, नामानि विष्णोः प्रवदन्तिमर्त्याः।
ते निश्चितं तन्मयतमां व्रजन्ति, गोविन्द दामोदर माधवेति॥
जिह्वे दैवं भज़ सुन्दराणि, नामानि कृष्णस्य मनोहराणि।
समस्त भक्तार्ति विनाशनानि, गोविन्द दामोदर माधवेति॥
सुखावसाने इदमेव सारं, दुःखावसाने इदमेव ज्ञेयम्।
देहावसाने इदमेव जाप्यं, गोविन्द दामोदर माधवेति॥
जिह्वे रसज्ञे मधुरप्रिया त्वं, सत्यं हितं त्वां परमं वदामि।
आवर्णये त्वं मधुराक्षराणि, गोविन्द दामोदर माधवेति॥
त्वामेव याचे मन देहि जिह्वे, समागते दण्डधरे कृतान्ते।
वक्तव्यमेवं मधुरम सुभक्तया, गोविन्द दामोदर माधवेति॥
श्री कृष्ण राधावर गोकुलेश, गोपाल गोवर्धन नाथ विष्णो।
जिह्वे पिबस्वा मृतमेवदेवं, गोविन्द दामोदर माधवेति॥